५०१/३७०

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी १८ जून, २०१७)

(समय : सुबह ९:०० से ११:१५) **सत्संग परिचय : प्रश्नपत्र -१**

सूचना : प्रश्न के बाद में दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं। **कुल गुण : ७५**

विभाग-१ : सहजानंद चरित्र - द्वितीय संस्करण, मार्च - २००९

प्र.१ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए। [९]

१. ''आपके ही प्रताप से मेरा राज्य समृद्ध है।'' (१५२-१५३)

२. ''ये हे हमारे जैसे फ़कीर।'' (१५०)

३. ''यदि आप दूसरी बार शास्त्रार्थ करना चाहते हैं तो आप अवश्य आ सकते हैं।'' (१०२)

प्र.२ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए। (दो से तीन पंक्ति में) [६]

१. महाराज हर पल - दो-पल बछेरे को लाठी का स्पर्श करते रहे। (९९)

२. श्रीजीमहाराज ने संतों को शिखासूत्र का त्याग करवाया। (४३)

३. बन्दर माला घुमाने लगा और रामचरितमानस चोपाइयाँ भी बोलने लगा। (१२५)

प्र.३ निम्नलिखित किन्हीं <u>एक</u> प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए। (वर्णनात्मक) [५]

१. भगवान की गद्दी (९४-९५) २. संवत् १८६९ के वर्ष में अकाल (८७-८८) ३. भाइयों का मिलन (११६-११७)

प्र.४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। [५]

१. पातालभाई की पत्नी क्यों पछतावा करने लगी? (२४)

२. पंचाला में पुष्पदोलोत्सव के प्रसंग पर महाराजने संतों के साथ क्या किया? (१२५)

३. श्रीहरि ने भुजनगर में कब और किस देव की प्रतिष्ठा की? (संवत्, मास, तिथि) (१२७)

४. किस की पत्नी को श्रीहरि ने दृष्टि का दान दिया? (७४)

५. भावनगर के महाराजा विजयसिंह ने अपने दर्जियों को क्या कहा? (१५२)

प्र.५ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें। [४]

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं। सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा।

१. बरगद के पेड़ के नीचे सभा (३-६)

(१) ☐ हज़ारों भूतों का निवास। (२) ☐ स्वामिनारायण मंत्र की धुन।

(३) ☐ गोलोक में भेज दिया। (४) ☐ झुला बाँधकर श्रीहरि को झुलाया।

२. ब्रह्मचारी को साथ बैठाया (४७-४८)

(१) ☐ कच्छ में आधोई गाँव की ओर जा रहे थे। (२) ☐ गाड़ी में वज़न बढ़ा दिया।

(३) ☐ सब भोजन ब्राह्मण को दे दिया। (४) ☐ दाढ़ीवाला साधु जादू-टोने वाला है।

प्र.६ निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए। [४]

१. ..... में मतपंथी लोगों ने महाराज का ..... करने के लिए कुछ लोंगों को इकट्ठा किया। (१०५)

२. महाराज के टकराने से गिरे ..... को महाराज ने ..... प्रसाद में दिए। (१०१)

३. ..... ने ब्रह्मानन्दजी को ..... जाने का आदेश दिया। (१५९)

४. एक ..... के लड़के ने ..... के बाल प्रसादी के रूप में देने के लिए नाई को कहा था। (११२)

विभाग-२ : सत्संग वाचनमाला भाग-२ - प्रथम संस्करण, जुलै - २०००

प्र.७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए। [९]

१. ''अब तुम अपना काम प्रारम्भ करो।'' (६४)

२. ''हम नदी के किनारे की झोंपड़ी में रहने लगेंगे।'' (३८)

३. ''मुझे महाराज ने निकाल दिया है, मुझे अब अपने साथ नहीं रखते।'' (२६)

प्र.८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए। (दो से तीन पंक्ति में) [४]

१. प्रेमानंद स्वामी को साष्टांग दण्डवत् करने का महाराज को मन हुआ। (१४)

२. अयोध्याप्रसादजी महाराज ने सेवकों को पूछा कि हमारी पीठ पर क्या हुआ है? (३३)

(पृष्ठ पलटिये)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किये गये पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर ''**सत्संग परिचय : प्रश्नपत्र - १**'' परीक्षा दी है । निम्नलिखित बातें सही हैं, जो आपको विदित हो ।

दिनांक महीना साल

परीक्षार्थी का जन्म दिन :- ☐☐ ☐☐ ☐☐☐☐

परीक्षा दिनांक और परीक्षा का समय :

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर :

सूचना : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगत भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को वापस कर दें । सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा दे । (अपूर्ण विवरणवाली उपस्थिति स्लीपें मान्य नहीं होंगी ।)

प्र.९ 'नरसिंह पंड्या का पराजय।' (३, ४) - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए। (वर्णनात्मक)** **[५]**

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। **[४]**

१. नित्यानन्द स्वामी स्वभाव से कैसे थे? (५)
२. इन्द्रजीभाई प्रतिवर्ष किस के साथ रहा करते थे? (६७)
३. वजेसिंह बापू क्यों दादाखाचर को कुछ बोल सके नहीं? (४१)
४. राघव भक्त किसके उपासक थे? (५१)

प्र.११ निम्नलिखित विषय के सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए। **[६]**

विषय : श्री कृष्णजी अदा (६५, ६८, ७०, ७२)

१. कृष्णजीभाई का जन्म जयेष्ठ मास में हुआ था। **२.** कृष्णजी अदा ने अपने शिष्यों को बोचासण जाने के लिए कहना आरभ्भ किया। **३.** कृष्णजीअदा ने शास्त्रीजी महाराज का पक्ष दृढ़ता से रखा। **४.** कृष्णजीभाई की प्रिय साखी 'सुरपुर, नरपुर, नागपुर.....' थी। **५.** अपने अंतिम समय पर अदा ने ज्ञानजी स्वामी को शास्त्रीजी महाराज का संग रखने को कहा। **६.** कृष्णजीअदा को जूनागढ़ मन्दिर में प्रवेश निषिद्ध कर दिया। **७.** कृष्णजीभाई का विवाह लाड़कीबा से हुआ था। **८.** कृष्णजी अदा की इच्छा के अनुसार बोचासण मन्दिर में सत्संगिजीवन का पारायण हुआ था। **९.** ज्ञान-यज्ञ का मिलाप जागा भक्त ने करवाया था। **१०.** आश्विन शुक्ल एकादशी के दिन कृष्णजी अदा अक्षरधाम चले गये। **११.** शास्त्रीजी महाराज राजकोट में जो भी उनके समागम के लिए आता उसको जीवनराम शास्त्री के घर जाकर उनकी कथावार्ता सुनने को कहते। **१२.** स्वामी ने कृष्णजीभाई और हरजीवनभाई को राजकोट जाकर यजमानवृत्ति करने की आज्ञा की।

(१) केवल सही क्रमांक ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐
(२) यथार्थ घटनाक्रम ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

सूचना : (१) केवल सही क्रमांक के सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे। (२) यथार्थ घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे। अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए। **[४]**

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे। अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।

उदाहरण : विद्यावारिधि सद्गुरु श्री नित्यानन्द स्वामी : संवत् १८७२ में मार्गशीर्ष शुक्ला नवमी की रात को नित्यानन्द स्वामी ने आचार्यश्री अयोध्याप्रसादजी महाराज, गुणातीतानन्द स्वामी, परमचैतन्यानन्द स्वामी, कृपानन्दजी आदि संतों के दर्शन करते करते उन्होंने अपनी कारण देह अहमदाबाद में छोड़ दी।

उत्तर : विद्यावारिधि सद्गुरु श्री नित्यानन्द स्वामी : संवत् **१९०८** मार्गशीर्ष शुक्ला **अष्टमी** के **दिन** नित्यानन्द स्वामी ने आचार्यश्री **रघुवीरजी महाराज**, **गोपालानन्द स्वामी**, **शुकमुनि**, **शून्यातीतानंदजी** आदि संतों के **देखते - देखते** उन्होंने अपनी **नश्वर** देह **वरताल** में छोड़ दी।

१. **मुकुन्दानन्द वर्णी (मूलजी ब्रह्मचारी) :** स्वामी जूनागढ़ गये। तीसरे दिन मूलजी ब्रह्मचारी दरबारगढ़ में स्वामी के दर्शन करने के लिए गये। वहाँ उन्होंने स्वामी को पलंग पर सोये हुए देखा। (३/२८)

२. **सद्गुरु नित्यानन्द स्वामी :** देवीदान का जन्म चैत्र कृष्णा ८ संवत् १८३९ को हुआ था । देवीदान की रुचि वैराग्य की थी। (१/१)

३. **श्री कृष्णजी अदा :** योगीजी महाराज ने फालगु सरोवर के किनारे अग्नि संस्कार के लिए जगह चुनी। अग्नि संस्कार के स्थान को अक्षरदेरी का प्रसादी दूध छिड़ककर पवित्र किया गया। वहाँ अदा का अग्नि-संस्कार किया गया। (८/७२)

४. **श्री अयोध्याप्रसादजी महाराज :** कोठारी स्वामी ने आग्रह किया कि स्वामी अगले दिन पार्षद मण्डल के साथ हवेली में पधरावनी के लिए पधारें। कोठारी महाराज ने रजत की थाली मंगवाई। (४/३४)

विभाग - ३ : निबंध

प्र.१३ निम्नलिखित किसी एक विषय पर करीब ३० पंक्ति में निबंध लिखिए। **[१०]**

१. वडाप्रधानश्री नरेन्द्रभाई मोदी ने अर्पित की गई भावांजलि
(स्वामिनारायण प्रकाश (गुजराती) - सितम्बर/अक्तूबर-२०१६, पा.नं. ६९-७५)
२. प्रमुखस्वामी महाराज के चेतन और अचेतन शरीर की दिव्य अनुभूतियाँ
(स्वामिनारायण प्रकाश (गुजराती) - सितम्बर/अक्तूबर-२०१६, पा.नं. ९१-९३, ८९)
३. विरल सृष्टि स्वामिनारायण नगर : सूरत (स्वामिनारायण प्रकाश (गुजराती) - जनवरी-२०१७, पा.नं. ९-१५)

❊ ❊ ❊

सूचना : इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक १६ जुलाई, २०१७ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे । मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के ईलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखें हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे । परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'डमी राइटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद मानी जाएगी । एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद मानी जाएगी । काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे । अस्पष्ट और पढ़ा ना जा सके ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे । अभ्यास क्रम में सामिल पुस्तक की अंतिम संस्करण का ही उपयोग करें । परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है ।

☞ **अगत्य की सूचना : सभी परीक्षार्थी अपनी संस्था की निम्नलिखित website - link पर से पुराने सालों के प्रश्नपत्र और उसके उकेलपत्र नि:शुल्क डाउनलोड कर सकते हैं और उसकी प्रिन्ट भी निकाल सकते हैं ।**

http://www.baps.org/Satsang-Exams.aspx